आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

सेवा सौभाग्य

परम पू. कैलाश जी 'मानव' ● मूल्य » 5 ● वर्ष-12 ● अंक » 134 ● मुद्रण तारीख » 1 फरवरी-2023 ● कुल पृष्ठ » 24

आपश्री सादर आमंत्रित हैं

दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह

दिनांक : 25-26 फरवरी, 2023 | स्थान : सेवा महातीर्थ,बड़ी, उदयपुर

निराशा से आशा की ओर

आपश्री भी बनें दिव्यांग बच्चों की मुस्कान, रहेगा आपका आजीवन आभार...

1 ऑपरेशन सहयोग 5000 रू.

Donate Now

UPI narayanseva@sbi

जनवरी माह में निःशुल्क सेवाएं

502	202	9012	815	202
ऑपरेशन	कृत्रिम अंग	भोजन	वैशाखी। व्हीलचेयर	ट्राईसाइकिल

एक अनुरोध आपश्री से

मान्यवर, आपश्री के शहर, गांव व कस्बे में जो भाई-बहिन दिव्यांग, गरीब अथवा गम्भीर बीमारी से ग्रस्त हों उनके लिए संस्थान हर सम्भव मदद के लिए सदैव तत्पर है। उन्हें यहां पर निःशुल्क ऑपरेशन, भोजन, आवास, दवाईयां प्रदान की जायेंगी। कृपया संस्थान में भेजकर सेवा का हाथ बढ़ाएं।

दिव्यांग ऑपरेशन

कुबड़ बीमारी

हृदय रोगी

» 1 फरवरी, 2023 » वर्ष 12 » अंक 134 » मूल्य 05 » कुल पृष्ठ 24

सेवा सौभाग्य

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

मुख्यालय : हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)-313002, फोन नं. : +91-294-6622222, वाट्सऐप : +91-7023509999
Web » www.narayanseva.org E-mail » info@narayanseva.org

पाठकों के लिए इस माह

महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक » **कैलाश चन्द्र अग्रवाल** » सम्पादक **प्रशान्त अग्रवाल** » सहयोग **विष्णु शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद गौड़** » डिजाइनर **विरेन्द्र सिंह राठौड़**

Seva Soubhagya Print Date 1 February, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

पल-पल उत्सव

'सेवक' प्रशान्त भैया

ईश्वर द्वारा दी गई मानव देह का हर पल उत्सव और उल्लास से भरपूर है, बशर्ते कि हम मानव जीवन पाने के अर्थ को ठीक से समझ सकें। सबके साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार और जरूरतमंदों की सेवा-सहायता से हमारा रोम-रोम प्रफुल्लित हो उठता है। अपने-पराए के भाव से ऊपर उठकर की गई सेवा अन्ततोगत्वा हमारा मार्ग भी निष्कंटक बनाती है।

एक वृद्ध सड़क पर गिर कर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। एम्बुलेंस ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया। रास्ते में नर्स ने उसके वस्त्रों को टटोला तो जेब से पर्स मिला। जिसमें उसी शहर में सेना में तैनात उसके बेटे का पता था। पिता के घायल होकर अस्पताल में भर्ती होने का अस्पताल की ओर से उसे संदेश भिजवाया गया। थोड़ी ही देर में एक सैनिक अस्पताल पहुंच गया। नर्स ने वृद्ध को उसके कान के पास मुंह ले जाकर बताया कि उसका बेटा उससे मिलने आया है। वृद्ध की हालत इतनी खराब थी कि वह न कुछ बोल पा रहा था और न ही कुछ देख पा रहा था। उसने बेटे को छूने के लिए कंपकपाता हाथ आगे बढ़ाया तो सैनिक ने गर्मजोशी से उसके हाथ को अपने हाथों में लेकर माथे से लगा लिया। वह वृद्ध के पास रात भर बैठा उसकी देखभाल करता रहा। कभी-कभी वह अपना सिर वृद्ध की छाती पर रख उसे दिलासा देता रहा। नर्स ने जब उसे थोड़ी देर आराम करने को कहा तो उसने इन्कार करते हुए कहा- यही तो वे पल हैं, जब जीवन को धन्य किया जा सकता है। सुबह-होते-होते वृद्ध की मृत्यु हो गई। तब सैनिक ने बताया कि इनके पुत्र का दो दिन पूर्व ही स्थानान्तरण हुआ है। उसकी बात सुनकर नर्स अचंभित रह गई और पूछा-'तो क्या यह आपके पिता नहीं थे ?' सैनिक ने उत्तर दिया-नहीं, परन्तु मैंने यह महसूस किया कि इन्हें तत्काल बेटे के सानिध्य की जरूरत थी, जो उनके पास रहकर सेवा करे और उन्हें दिलासा दे। अतः मेरा मानवीय दायित्व था कि मैं उसके स्थान पर वृद्ध महाशय को सान्त्वना दूं। बंधुओं! इस सैनिक ने सेवा के इस पल को पाकर अपना जीवन धन्य कर लिया। सेवा में अपना-पराया नहीं देखा जाता। जहां भी सेवा-सुश्रुषा का अवसर मिले उसे गंवाना नहीं चाहिए। यही मानव धर्म है।

पू. कैलाश 'मानव'

विवेक का फैसला

व्यक्ति को अपनी सोच का दायरा व्यापक रखना चाहिए। यदि किसी कार्य में हम दूसरों की क्षमता और बुद्धि का भी उपयोग कर सकें तो झिझकना नहीं चाहिए। परस्पर सहयोग और सद्भाव से ही कार्य सफल होते हैं। संकल्प, बल और बुद्धि का सम्मिलित रूप ही सफलता का प्रवेशद्वार है।

सफलता के श्रेय का असली हकदार कौन है ? इस प्रश्न पर एक दिन विवाद उठ खड़ा हुआ। 'संकल्प' ने अपने को, 'बल' ने अपने को और 'बुद्धि' ने अपने को, अधिक महत्वपूर्ण बताया। तीनों अपनी-अपनी बात पर अड़े हुए थे। अन्त में तय हुआ कि 'विवेक' को पंच बना कर इस विवाद का फैसला कराया जाय। वे विवेक के पास गए और उससे उनके बीच के विवाद का निबटारा करने का आग्रह किया। तीनों को साथ लेकर विवेक चल पड़ा। उसने एक हाथ में लोहे की टेढ़ी कील ली और दूसरे में हथौड़ा। चलते-चलते वे ऐसे स्थान पर पहुँचे, जहाँ एक लड़का खेल रहा था। विवेक ने उससे कहा कि-'बेटा, इस टेढ़ी कील को अगर तुम हथौड़ा से सीधी कर दो तो मैं तुमको भर पेट मिठाई खिलाऊँगा और खिलौने से भरी टोकरी भी दूंगा।'' लड़के की आँखें चमक उठी। वह बड़ी आशा और उत्साह से प्रयत्न करने लगा, पर कील को सीधा कर सकना तो दूर उससे हथौड़ा उठा तक नहीं। भारी औजार उठाने लायक उसके हाथों में बल नहीं था। बहुत प्रयत्न करने पर सफलता नहीं मिली तो लड़का खिन्न मन अपने घर की ओर चला गया। इससे उन लोगों ने यह निष्कर्ष निकाला कि सफलता प्राप्त करने के लिए 'संकल्प' ही काफी नहीं है। बल की भी जरूरत होती है। चारों आगे बढ़े तो थोड़ी दूर जाने पर एक श्रमिक दिखाई दिया। वह खर्राटे लेता सो रहा था। विवेक ने उसे झकझोरकर जगाया और कहा कि ''इस कील को हथौड़ा मारकर सीधा कर दो, मैं तुम्हें दस रूपए दूंगा। उनींदी आंखों से श्रमिक ने कुछ प्रयत्न भी किया, पर वह नींद की खुमारी में था। उसने हथौड़ा एक ओर रख दिया और लेटकर फिर खर्राटे भरने लगा। निष्कर्ष निकला कि अकेला 'बल' भी काफी नहीं है। सामर्थ्य रखते हुए भी संकल्प न होने से श्रमिक भी कील को सीधा न कर सका।आगे बढ़ने पर उन्हें खाती मिला। जिसने क्षण भर में बुद्धि का उपयोग कर अपने अलग औजार से कील को सीधा कर दिया। विवेक ने कहा कि हमें लौट जाना चाहिये, क्योंकि जिस बात को हम जानना चाहते थे वह मालूम हो चुकी है। एकाकी रूप में आप तीनों अधूरे-अपूर्ण हैं। एक मत होने पर आप बड़ी मुश्किल को आसान कर सकते हैं। हर बात, चीज, अवसर और व्यक्ति का अपना-अपना महत्व होता है।

कृत्रिम अंग पहने सैकड़ों दिव्यांगों ने विश्व की सबसे बड़ी परेड कर संस्थापक को दी सलामी

संस्थापक दिवस अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जायेगा

23 अक्टूबर 1985 को एक मुठ्ठी आटे से नारायण सेवा संस्थान को शुरू करने वाले संस्थान के संस्थापक कैलाश मानव के जन्मदिन 2 जनवरी को अन्तर्राष्ट्रीय संस्थापक दिवस के रूप में मनाने की घोषणा नारायण सेवा संस्थान, अमेरिका के निदेशक मनोज बारोत ने की। संस्थान के अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने इसकी अनुमोदना करते हुए 2 जनवरी, 2023 को संस्थापक दिवस के रूप में मनाकर समाज से सेवा समर्पित अन्तर्राष्ट्रीय संस्थापक दिवस मनाने का आग्रह किया है। मानव जी के जन्मदिन पर संस्थान से कृत्रिम हाथ-पैर लगा चुके 108 लोगों ने कृत्रिम अंग परेड निकालकर उन्हें सलामी दी। इससे हर दिव्यांग के भीतर जज्बे और जोश का संचार हुआ है। मनोज बारोत का कहना है कि भारत की आजादी के बाद दिव्यांगों के बारे में सोचने वाला पहला कोई इंसान है तो वह है कैलाश जी मानव। कैलाश जी को सरहदों के पार भी सम्मान मिलना चाहिए।

नारायण सेवा ने सेवा प्रकल्पों के साथ मनाया

संस्थापक दिवस

कृत्रिम अंग से कदम ताल

पूज्य कैलाश जी मानव का 76वें जन्म दिवस पर हार्दिक अभिनन्दन

नारायण सेवा संस्थान के बड़ी परिसर में 2 जनवरी को देश -विदेश से बड़ी संख्या में समाजसेवी भामाशाहों की मौजूदगी में संस्थापक दिवस विभिन्न सेवा प्रकल्पों की शुरुआत के साथ उल्लास पूर्वक मनाया गया। संस्थापक पद्मश्री कैलाश जी मानव ने अपने 76 वें जन्मदिन पर 251 दिव्यांगजन के निःशुल्क चिकित्सा एवं कृत्रिम अंग वितरण शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय नारायण कृत्रिम अंग परेड की भी शुरुआत हुई। हादसों में अपने हाथ-पांव खो देने वाले दिव्यांगों ने इस परेड में शिरकत की। दिव्यांगजन के प्रति सामाजिक जागरूकता के उद्देश्य से आरंभ यह परेड प्रतिवर्ष विभिन्न राज्यों में आयोजित की जाती रहेगी। आयोजन में संस्थान के मूक बधिर एवं निराश्रित गृह, नारायण चिल्ड्रन एकेडमी, रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण एवं गुरुकुल के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम को सह-संस्थापिका कमला देवी जी, निदेशक वंदना जी अग्रवाल, ट्रस्टी निदेशक जगदीश जी आर्य, देवेन्द्र जी चौबीसा, पलक जी अग्रवाल ने संबोधित किया।

आशीर्वाद लेने पधारे साधक-साधिकाएं व अतिथिगण

बैंगलोर की धरा पर सेवा का सौभाग्य कृत्रिम अंग माप शिविर सम्पन्न

1200
से अधिक पंजीयन

513
दिव्यांगों का कृत्रिम अंग माप

अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के सहयोग से दिव्यांग जांच, चयन, कृत्रिम अंग माप व सहायक उपकरण शिविर-जयपुर

137
व्हीलचयेर बैशाखी श्रवण यंत्र

302
से अधिक पंजीयन

27
ऑपरेशन पंजीयन

108
कैलीपर व कृत्रिम अंग

कृत्रिम अंग की बंधी डोर
मजबूरी से मजबूती की ओर

बसहिया, महाराजगंज (उ.प्र) के रहने वाले दिनेश निषाद ट्रक चलाकर 6 सदस्यीय परिवार का गुजारा करते हुए खुश थे कि एकाएक जिन्दगी की राह को एक हादसे ने रोक दिया। वह अपने साथ हुई पूरी घटना का जिक्र करते हुए बताते हैं कि 2016 में बांए पांव में एक छोटी सी फुंसी हुई जिसने शनैः-शनैः घाव का रूप ले लिया और सड़न पैदा कर दी। उपचार के दौरान बांया पांव कटवाना पड़ा। इलाज में पैसे भी बहुत खर्च हुए, काम-काज छूट गया। परिवार की माली हालत खराब होते देख दिनेश ने एक साल बाद पुनः एक पांव के सहारे जिन्दगी शूरू की क्योंकि घर में कोई कमाने वाला नहीं था। वे बताते हैं कि 2021 में काठमांडू की एक होटल पर रात रूका जंहा जहरीले मच्छर ने दूसरे पांव पर काट लिया। एक सप्ताह बाद पांव में जलन होने लगी तो अस्पताल में दिखाया जांच से पता चला कि पांव में जहर फैलने से गैग्रीन हो गया है, अगर तत्काल इस पांव को भी नहीं काटा गया तो मौत भी हो सकती है। जीने की आस में दूसरा पांव भी कटवाना पड़ा। विधि ने न जाने किस कलम से उसके लेख लिखे कि एक पांव तो पहले ही छीन लिया था, अब दूसरा पांव भी कट गया। घिसटने को मजबूर कर दिया। नौ साल से लाचारी की जिन्दगी जी रहे दिनेश भगवान से मौत की भीख मांगने लगे। इसी बीच कहीं से गोरखपुर में आयोजित नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क सेवा शिविर की जानकारी मिली। तो उम्मीद जगी 30 सितम्बर 2022 को शिविर में दोनों पैरों का माप लिया और 29 अक्टूम्बर को विशेष कृत्रिम पांव पहना चलने फिरने की ट्रेनिग दे उन्हे खड़ा कर दिया। वे जिस विधि को कोस रहे थे उसे ही धन्यवाद भी देने लगे कि उन्होंने नारायण सेवा संस्थान की राह दिखाई।

"दोनों पांवों के खो देने से जिन्दगी इस कदर लाचार हो गई कि किसी से मिलने, कहीं जाने की सोचकर ही मन तड़प कर रो उठता था।"

पिछले नौ सालों से उठ नहीं पाते थे, अब कृत्रिम पांवों के सहारे खड़े होकर आराम से चलते और रोजगार करते है।

हैदराबाद सेवा केन्द्र बनेगा दिव्यांग एवं दुःखियों का तारणहार

नारायण सेवा संस्थान द्वारा संचालित हैदराबाद सेवा केन्द्र में समाज के अधिकार विहिन, अंग विहिन दिव्यांग और अभाव ग्रस्त लोगों के लिए कई निःशुल्क सेवाएं शुरू होंगी। फिजियोथेरेपी, कम्प्यूटर, मोबाईल और सिलाई जैसे प्रशिक्षण देने के साथ दुर्घटना में हाथ-पैर खो चुके दिव्यांगों को गुणवत्ता युक्त कृत्रिम अंग दिए जायेंगे। संस्थान की सशक्त प्रशिक्षित ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट टीम दिव्यांगों और गरीबों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कारगर सिद्ध होगी। जो परिवार पर बोझ कहे जाते थे, वे अपने परिवार का भरण-पोषण करने वाले और सम्मानित जिन्दगी जीने वाले कहलाएंगे।

हमारा सदैव प्रयास रहा है कि अधिक से अधिक दिव्यांग एवं गरीब लोगों के दुःख दूर किए जाएं। इस सोच के साथ संस्थान हैदराबाद में सेवा केन्द्र संचालित कर रहा है। इससे दिव्यांगों को उदयपुर आने की बजाय अपने घर-शहर में ही सेवाएं मिल सकेंगी।
कैलाश मानव, संस्थापक

नव ऊर्जा, जोश एवं चेतना के साथ संस्थान हैदराबाद में पहले अत्याधुनिक सेवा केन्द्र की शुरूआत 29 जनवरी से करने जा रहा है। इससे प्रतिदिन सैकड़ों दिव्यांगों को लाभ मिलेगा। अब हमारा प्रयास रहेगा कि हैदराबाद की तर्ज पर देशभर में 100 स्थानों पर ऐसे सेवा केन्द्र शुरू हों। हमारा संकल्प अवश्य ही पूरा होगा क्योंकि समाज के कई सेवाभावी महानुभाव मानवीय कार्यों में श्रद्धा और सेवाभाव से जुड़ने का मानस बना चुके हैं।
प्रशान्त अग्रवाल, अध्यक्ष

5 साल में नारायण सेवा का लक्ष्य

720	960	600	3650	1 लाख	30
दिव्यांग लेंगे कम्प्यूटर ट्रेनिंग	दिव्यांग करेंगे मोबाईल कोर्स	दिव्यांग सीखेंगे सिलाई शिक्षा	अंगविहिन को कृत्रिम अंग	लोग लेंगे फिजियोथेरेपी	शिविर का होगा आयोजन

सन् 2023 में सेवा कार्यों का लक्ष्य

दानवीरों का सहयोग संस्थान को समय-समय पर मिलता रहा है।
आगे भी संस्थान अपने सेवा कार्यों का विस्तार करने जा रहा है-जिसमें आपकी भागीदारी आवश्यक है।

मकर संक्रान्ति पर बही सेवा गंगा

उदयपुर 850 से अधिक दिव्यांग हुए लाभान्वित

इंगरपुर 415 का हुआ पंजीयन

जालोर 415 दिव्यांगों का हुआ रजिस्ट्रेशन

बाड़मेर 520 से अधिक दिव्यांग हुए लाभान्वित

चल पड़ी लड़खड़ाती जिन्दगियां..

संस्थान के तत्वावधान में भामाशाहों/संस्थाओं के सौजन्य से दिसम्बर-2022 में शिरपुर (महाराष्ट्र), बुढलाडा (पंजाब), मुर्तिजापुर (महाराष्ट्र), कैथल (हरियाणा),दिल्ली व लखनऊ (उप्र) में नारायण लिंब मेजरमेंट व वितरण के 6 शिविर सम्पन्न हुए। इनमें जरूरतमंद दिव्यांग भाई-बहिनों को सहायक उपकरण भी प्रदान किए गए। शिविरों में राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य जनप्रतिनिधि एवं उच्च पदस्थ अधिकारियों की शिरकत रही। लखनऊ के विकास नगर शिविर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी व उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश जी पाठक की गरिमामयी उपस्थिति से माहौल उल्लास और उत्सव सा रहा।

913 दिव्यांग पंजीयन

593 कृत्रिम अंग व कैलीपर

100 ट्राइ साईकिल

90 व्हील चेयर/ बैसाखी

130 ऑपरेशन चयन

अभावग्रस्त आदिवासी मुस्कुराए

3500 से अधिक आदिवासी बच्चे, बूढ़ों और माताओं को अन्न - वस्त्र वितरण एवं स्वास्थ्य सेवा

गोगुन्दा तहसील जसवंतगढ़

नारायण सेवा संस्थान एवं दैनिक भास्कर के तत्वावधान में 25 दिसम्बर, 2022 को गोगुन्दा तहसील की जसवंतगढ़ पंचायत के हुलरिया बावजी स्थल पर विशाल निःशुल्क अन्नदान -वस्त्रदान एवं स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न हुआ।

शिविर का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि राज्य के जनजाति विकास मंत्री अर्जुन सिंह बामणिया ने शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जागरूकता के प्रसार के लिए इस तरह के प्रयासों को ग्रामीण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति ज्यादा सावचेत रहें। नारायण सेवा संस्थान के इस दिशा में प्रयासों का अधिकाधिक लाभ उठाएं। पूर्व मंत्री डॉ. मांगीलाल गरासिया ने कहा कि सेवा और संस्कार भारत की अपनी पहचान है। इस शिविर में विदेश से आए सेवाभावी प्रवासी भरत भाई सोलंकी और टीम इसकी साक्ष्य है। संस्थान ने पिछले साढ़े तीन दशक में जनजाति क्षेत्र में ऐसे शिविरों के माध्यम से जन जागरण की दिशा में बड़ा काम किया है।

संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया के अनुसार आदिवासी बंधु-बहिनों के स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर को ऊपर उठाने की दृष्टि से आयोजित इस शिविर में मजावड़ी, सेमटाल, खाखडी, ओबरा, मोकेला, सूरण, जसवंतगढ़, झाड़ोली आदि गांवों के 3500 से अधिक लोग लाभान्वित हुए।

लाभान्वित आदिवासी जन

2500
किलो मक्का

1000
स्वेटर

500
बिस्कीट

100
से अधिक बच्चों के बाल-नाखून काटे

1000
कम्बल, धोती व साड़िया

560
स्त्री, पुरूष व बच्चों की स्वास्थ्य जांच

450
पेंट, कुर्ती, मौजे, शूज चप्पल, साबुन व टूथपेस्ट-ब्रश

जननेता एवं समाज सेवी लालसिंह झाला ने कहा कि करीब 38 वर्ष पूर्व इसी जगह संस्थान ने पहला शिविर लगाया था, जिसमें उन्हें भी सेवा का मौका मिला था। विधायक प्रताप गमेती ने संस्थापक कैलाश जी मानव के सेवा- समर्पण का जिक्र करते हुए कहा कि जन-जागरूकता की दृष्टि से संस्थान अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह कर रहा है, यह इसमें भाग लेने वालों पर निर्भर है कि वे बेहतर जीवनयापन के लिए इसका किस तरह उपयोग करते हैं। अध्यक्ष भरत भाई सोलंकी (यूएसए), मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शंकर बामणिया, गोगुन्दा उपखंड अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़,समाज सेवी दिलीप जारोली, संस्थान निदेशक वन्दना अग्रवाल ने भी विचार व्यक्त किए। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ कनिका पारीक, चर्मरोग विशेषज्ञ डॉ रोहित अलरेजा, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ गौरव जावरिया व फिजिशियन डॉ अक्षय गोयल ने सेवाएं दी। ये अतिथि भी थे उपस्थित : ब्लॉक अध्यक्ष नारायण पालीवाल, भरत आमेटा, टीटू सुथार, ललित जोशी, सरपंच जसवंतगढ़ खुमानी देवी , सरपंच मोड़ी प्रहलाद सिंह, उपसरपंच राव मादड़ा योगेंद्र सिंह, मीना बेन,श्रीपाल गोयल (यूएसए) आदि। धन्यवाद ज्ञापन ट्रस्टी एवं निदेशक देवेंद्र चौबीसा ने एवं संचालन महिम जैन ने किया।

चार मिले चौसठ खिले...

झीनी-झीनी रोशनी-45

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक - चेयरमैन पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का सेवा संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है। श्री कैलाश जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' पुस्तक में प्रस्तुत किया है।

कैलाश ने बताया कि सामने जो हॉस्पीटल है वहीं जाता हूं, मरीजों की छोटी मोटी आवश्यकताएं पूरी करने की कोशिश करता हूं, आप भी चलो मेरे साथ, बहुत अच्छा लगेगा। कैलाश की इस बात पर कार्यालय के अन्य साथी हंस पड़े और कहने लगे किस मक्खीचूस को साथ ले जा रहे हो। अपने ऑफिस में ट्रांसफर की पार्टी में एक रूपया तक जेब से नहीं निकाल पाता, यह क्या करेगा।

कैलाश ने अपने साथियों की बात हंस कर टाल दी और उसे अपने साथ ले गया। कैलाश का यह साथी अक्सर उसके साथ अस्पताल जाने लगा। धीरे-धीरे उसमें इतना परिवर्तन आया कि वह कैलाश के बिना भी अकेले की अस्पताल जाने लगा। किसी रोगी को खिचड़ी चाहिये होती तो वह अपने घर से खिचड़ी बनवा कर लाता और उसे खिलाता। एक रोगी को कम्बल लाकर भी ओढ़ाया। जिसे सभी लोग मक्खीचूस कहकर चिढ़ाते थे उसमें ऐसा परिवर्तन देखा तो सबको आश्चर्य हुआ। इसका परिणाम यह निकला की धीरे - धीरे अन्य लोग भी इस सेवा कार्य में रूचि लेने लगे।

कैलाश को यह सब देख खुशी होती थी। अब उसने अपने झोले में गीता प्रेस गोरखपुर की कुछ पुस्तकें भी रखनी शुरू कर दी। पतली-पतली शिक्षाप्रद पुस्तकें बहुत कम कीमत में आती थीं। कैलाश 10-12 एक साथ खरीद कर झोले में रखने लगा। ये पुस्तकें मरीजों को पढ़ने के लिये देता और वो पढ़ लेते तो वापस ले कर किसी अन्य को दे देता। एक बार किसी वृद्ध को पुस्तक दी तो उसने अपनी लाचारी बताते हुए कहा कि वो तो अंगूठा छाप है, उसे पढ़ना नहीं आता। कैलाश ने अपने झोले से एक दूसरी पुस्तक निकाली और वृद्ध को दी। इस पूरी पुस्तक में सीता राम, सीता राम लिखा हुआ था। कैलाश ने इसके साथ ही एक पेन्सिल भी दी और उसे समझाया कि पूरी पुस्तक में सीता-राम लिखा हुआ है, हर शब्द पर यह पेन्सिल रख कर आप सीता राम बोलते जाना, इस तरह आप पूरी पुस्तक पढ़ लोगे। अगले दिन कैलाश वापस उस वृद्ध के पास गया तो वह अत्यन्त प्रसन्न नजर आया। कैलाश को देखते ही अति उत्साह से उसने बताया कि अनपढ़ होने के बावजूद पुस्तक को पढ़ने में इतना मजा आया कि रात को दो बजे तक वह पुस्तक पढ़ते हुए सीता-राम, सीता-राम बोलता रहा। वृद्ध का उत्साह देखकर कैलाश को अचानक अपने बचपन की एक घटना याद आ गई। **क्रमशः**

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पीटल वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी

- 450 बेड का नि:शुल्क सेवा हॉस्पीटल
- 7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त
- नि:शुल्क शल्य चिकित्सा, जांचे, ओपीडी
- नि:शुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला
- बस स्टेण्ड से मात्र 700 मीटर दूर
- रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

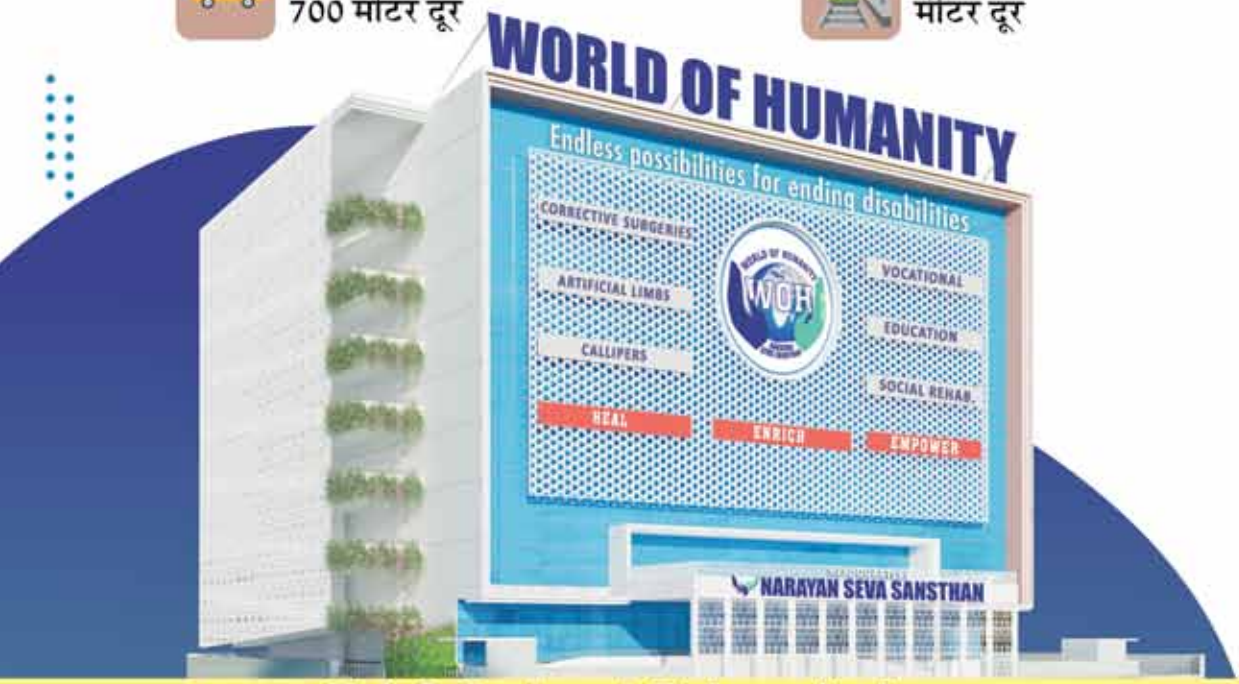

मिलेगी दिव्यांग एवं निर्धन जनों को राहत

निर्माण सहयोगी बनें

पुण्य ईंट-लॉबी-दीवार पर नाम

1,00,000 रू.

सेवा ईंट-पायें पुण्य

51,000 रू.

मानवता ईंट-करूणा भाव से स्वागत

21,000 रू.

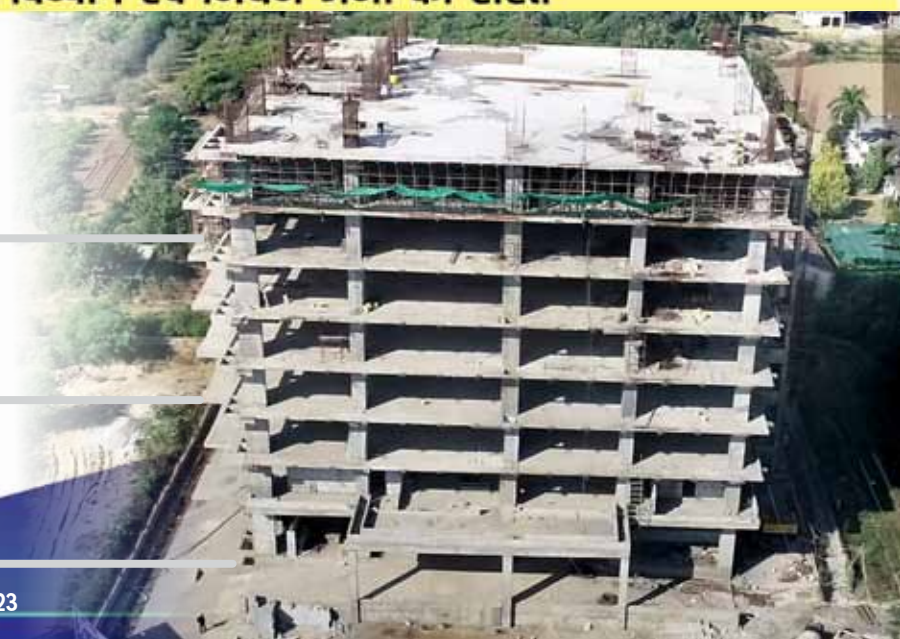

नारायण सेवा केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई

07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103, ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस., लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1, गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

पूणे

09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर

08306004821
मेडती गेट के अंदर, कुचामन हवेली के पास, जोधपुर, राज.-342001

कोटा

07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-बी-5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर

07412060406, 41 ए, न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे, नई सडक, लश्कर, ग्वालियर 474001

हरियाणा

चण्डीगढ़

070734 52176
म.नं.-3658, सेक्टर-46/सी, चण्डीगढ़

गुरूग्राम

08306004802, हाउस नं.-1936 जीए, गली नं.-10, राजीव नगर ईस्ट, माता रोड, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक, गुरुग्राम -122001

हिसार

07023003320, मकान न. 2249, सेक्टर-14, हिसार 125005

वेस्ट बंगाल

कोलकाता

09529920097,
म.न.-पी226, ए ब्लॉक, ग्राउण्ड फ्लोर, लेक टाऊन कोलकाता-700089

पंजाब

लुधियाना

07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज

09351230393, म.न. 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ

08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड, नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम, मेरठ 250002

लखनऊ

09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

(कर्नाटक)

बेंगलुरू

09341200200, नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुडी, बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना

मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

गुजरात

सूरत

09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप, सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा

मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोडिया रोड, वडोदरा -390019

अहमदाबाद

मो.: 9529920080 म. नं.: बी 11, बसंत बहार फ्लेट, राजस्थान हॉस्पीटल के पीछे, शाहीबाग, अहमदाबाद 380004

दिल्ली

रोहिणी

08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान, बी-4/232, शिव शक्ति मंदिर के पास, सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली

07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

दिल्ली

फतेहपुरी

08588835711
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी, दिल्ली-6

शाहदरा

बी-85, ज्योति कॉलोनी, दुर्गापुरी चौक, शाहदरा, दिल्ली-32

उत्तर प्रदेश

हाथरस

07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा

07023101163, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़

07023101169, एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड, अलीगढ़

मोदीनगर

आर्य समाज मंदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प के पास, मोदी बाग के सामने मोदीनगर -201204

बरेली

बी-17, राजेन्द्र नगर, जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

लोनी

09529920084
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

गाजियाबाद

(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेंटर, बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

आगरा

07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी, नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

राजस्थान

जयपुर

09928027946, बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी, मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा, जयपुर

गुजरात

अहमदाबाद

9529920080
ओ.बी. 3/27 गुजरात हाउसिंग बोर्ड खोडियार मंदिर, 4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड, बापूनगर, अहमदाबाद-24

राजकोट

09529920083, भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिवर्सिटी रोड, राजकोट

तेलंगाना

हैदराबाद

09573938038, लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी, संतोषी माता मंदिर के पास, हैदराबाद -500027

उत्तराखण्ड

देहरादून

07023101175, साई लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट, शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

महाराष्ट्र

मुम्बई

09529920090, ओसवाल बगीची, आरएनटी पार्क, भायन्दर ईस्ट मुम्बई - 401105

मध्य प्रदेश

रतलाम

दत्ता कृपा महात्मा गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी बैंक के पीछे, स्टेशन रोड, रतलाम - 457001 (म.प्र.)

इन्दौर

09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

छत्तीसगढ़

रायपुर

07869916950, मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर, पो.-शंकरनगर, रायपुर, छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला

07023101160, सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल

09812003662, ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनायें यादगार..

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000/-	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000/-
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000/-	13 ऑपरेशन के लिए	52,500/-
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000/-	5 ऑपरेशन के लिए	21,000/-
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000/-	3 ऑपरेशन के लिए	13,000/-
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000/-	1 ऑपरेशन के लिए	5000/-

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (हर वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)

नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7000/-

दुखियों के चेहरों पर लाएं खुशियां

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5000/-	15,000/-	25,000/-	55,000/-
व्हील चेयर	4000/-	12,000/-	20,000/-	44,000/-
कैलिपर	2000/-	6000/-	10,000/-	22,000/-
वैशाखी	500/-	1,500/-	2,500/-	5,500/-
कृत्रिम हाथ/पैर	10,000/-	30,000/-	50,000/-	1,10,000/-

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि

1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500/-	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500/-
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500/-	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000/-
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000/-	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000/-

शिक्षा से वंचित आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने में करें मदद

एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	1,100/-
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000/-
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000/-

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

STATE BANK OF INDIA	-H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	-Madhuban	ICIC0000045	004501000829
PUNJAB NATIONAL BANK	-KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
UNION BANK OF INDIA	-UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148
HDFC BANK	358-Post Office Road, Chetak Circle	HDFC0000119	50100075975997

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

UPI narayanseva@sbi संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

फोन नं.: +91-294-6622222

वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

संस्थान के दानवीर भामाशाहों का हार्दिक आभार

स्व.श्रीमती रामबेटी गुप्ता, एत्मादपुर आगरा (उ.प्र.)

स्व.श्रीमती प्रेमलता सोनी, जोधपुर (राजस्थान)

स्व. श्री निलेश सोनी, उज्जैन (मध्य प्रदेश)

स्व. श्री बद्री लाल सोनी, उज्जैन (मध्य प्रदेश)

स्व. श्री प्रीतम लाल आहूजा, डाबरी मोड़, दिल्ली

श्रीमती शशि-श्री गोपाल कृष्ण मकवाना इन्दौर (मध्य प्रदेश)

श्री तेजीलाल मिश्रा एवं स्व. श्रीमती उर्मिला मिश्रा, झांसी (उत्तर प्रदेश)

सम्मानित दानदाताओं एवं समाजसेवियों के फोटोग्राफ सेवा सौभाग्य अंक में प्रतिमाह प्रकाशित किये जाते है। कृपया आपभी मानवता के सहयोगी बन अपना छायाचित्र प्रकाशित कराएं।

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (CSR)
के तहत बनें सहयोगी

कृत्रिम अंग कार्यशाला को 'कैड-कैम' से सुसज्जित कराएं

जन्मजात दिव्यांगता एवं सुधारात्मक सर्जरी कराएं

दुर्घटना ग्रस्त दिव्यांगों की सेवार्थ कृत्रिम अंग शिविर आयोजन के सौजन्यदाता बनें

दिव्यांगों के ऑपरेशन करवाकर विकृति से दिलाएं मुक्ति

मोहन जैसे हजारों चलने लगे...

दिव्यांगों को रेल्वे स्टेशन से संस्थान लाने-लेजाने हेतु बस के सौजन्यकर्ता बनें

दिव्यांगता जांच एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर के सहयोगी बनें

प्रतिमाह 500 आदिवासी परिवारों को पौष्टिक आहार 'नारायण गरीब परिवार राशन' पहुंचाने में करें सहायता

आदिवासी बच्चों की शिक्षा के लिए संचालित नारायण चिल्ड्रन एकेडमी में 100 बच्चों के वार्षिक व्यय के सौजन्यदाता बनें

सेवा में ये जुड़ चुके हैं–आप भी जुड़े

UNITED DRILLING TOOLS LTD · बैंक ऑफ बड़ौदा Bank of Baroda · BAJAJ Allianz · MITSUBISHI ELECTRIC Changes for the Better · SBI · Hero

Heraeus · भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA · विजया बैंक VIJAYA BANK · IDBI trustee IDBI Trusteeship Services Ltd · LIC · आर ई सी REC · सेल SAIL · AON

Head Office: Hiran Magan, Sector-4, Udaipur(Raj.) 313002, INDIA
+91 294 662 2222 | +91 7023509999
www.narayanseva.org
info@narayanseva.org

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

राजस्थान का कश्मीर कही जाने वाली झीलों की नगरी उदयपुर से 15 कि.मी दूर अरावली पर्वतमाला की सुरम्य वादियों के आंचल में लियों का गुड़ा गांव स्थित नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों से संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने हेतु सादर आमंत्रण है।

नेचुरोपैथी के साथ योगा थेरेपी एवं एडवांस एक्यूपंक्चर थेरेपी भी उपलब्ध है।

प्रकृति ही हमारी सच्ची स्वास्थ्य रक्षक है

» पूर्णतः प्राकृतिक वातावरण में प्राकृतिक चिकित्सा विधि से नाना प्रकार के रोगों का इलाज ।

» चिकित्सालय में भर्ती होने वाले रोगियों की दिनचर्या प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशानुसार निर्धारित होती है।

» रोगियों को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार आहार चिकित्सा दी जाएगी।

» आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था।

सम्पर्क करे : फोन नं. : +91-294-6622222
info@narayanseva.org

हो रहा विवाह का मंगल गान,
माता-पिता बन करें कन्या दान

बेटियाँ ईश्वर का उपहार,
माता-पिता बन लुटाएं प्यार

पूर्ण कन्यादान (प्रति कन्या)

₹51,000

आंशिक कन्यादान (प्रति कन्या)

₹21,000

Donate Now

पाणिग्रहण संस्कार (प्रति जोड़ा)

₹10,000

मेहंदी रस्म (प्रति जोड़ा)

₹2,100

Seva Soubhagya, Print Date 1 February, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-